VAJIRAO & REDDY INSTITUTE
India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060

www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(08 April 2025)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- अमेरिका-भारत ने शीघ्र ही निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर जोर दिया
- चीन से मुकाबले के लिए भारत बना रहा है अपना 'भूमिगत परमाणु पनडुब्बी किला'
- MCQ

ADDRESS:
19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

अमेरिका-भारत ने शीघ्र ही निष्पक्ष द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर जोर दिया:

चर्चा में क्यों है?

- विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BTA) पर चल रही वार्ता को आगे बढ़ाने के तरीके पर चर्चा की।

- यह चर्चा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत सहित कई देशों पर प्रमुख टैरिफ की घोषणा के तुरंत बाद हुई। नए टैरिफ के तहत अमेरिका में भारत से आयातित सभी वस्तुओं पर 26% कर लगाया जाएगा।
- इसने दुनिया भर के वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है। भारत में, 7 अप्रैल को एक दिन में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में 3% से अधिक की गिरावट आई।
- उल्लेखनीय है कि दोनों देशों के मध्य BTA पर बातचीत चल रही है। इसका नवीनतम दौर 26 से 29 मार्च तक दिल्ली में आयोजित किया गया था।

दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के वक्तव्य:

- अमेरिकी विदेश विभाग के एक बयान में कहा गया, "विदेश मंत्री रुबियो ने भारत पर अमेरिकी पारस्परिक टैरिफ और निष्पक्ष एवं संतुलित व्यापार संबंध की दिशा में प्रगति करने के बारे में भी चर्चा की"।
- विदेश मंत्री जयशंकर के अनुसार "आज अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो से बात करके अच्छा लगा। (हम) द्विपक्षीय व्यापार समझौते के शीघ्र समापन के महत्व पर सहमत हुए। (मैं) संपर्क में बने रहने की आशा करता हूँ"।

विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को लेकर भारत लचीला:

- वैश्विक आर्थिक तनाव बढ़ने और दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवाद बढ़ने के समय, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 7 अप्रैल को पश्चिमी देशों को संकेत दिया कि भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौतों के लिए खुला है, उन्होंने कहा कि विकसित देशों के साथ काम करते समय भारत के पास "काफी गुंजाइश" है।
- वाणिज्य मंत्री गोयल ने एक उद्योग कार्यक्रम में कहा कि "भारतीय उद्योग बहुत प्रतिस्पर्धी है। अगर हर कोई खेल के नियमों का पालन करे तो वे दुनिया में किसी

भी प्रतिस्पर्धा को हरा सकते हैं। यह अनियमितताएं और अनुचित व्यापार प्रथाएं हैं जहां हमें टैरिफ के माध्यम से संरक्षण की आवश्यकता है। इसलिए मुझे यह कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं है कि द्विपक्षीय रूप से, विकसित देशों के साथ काम करते समय हमारे पास काफी गुंजाइश है - जहां भारत के पास समान अवसर हैं"।

- वाणिज्य मंत्री गोयल की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब संभावित चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध से महत्वपूर्ण व्यापार विचलन हो सकता है - जो भारत और कई अन्य देशों के लिए अवसर प्रदान करेगा।
- वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को अवसर में बदलने के लिए अच्छी स्थिति में है - ठीक वैसे ही जैसे उसने कोविड-19 महामारी और 1990 के दशक के अंत में किया था।

राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर 50% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दी:

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि अगर चीन ने एक दिन पहले लगाए गए 34 प्रतिशत टैरिफ में "प्रतिशोधी" बढ़ोतरी को वापस नहीं लिया तो वह 9 अप्रैल, 2025 से चीनी वस्तुओं पर 50 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा देंगे।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

- ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन पर "रिकॉर्ड टैरिफ-सेटिंग", "अवैध सब्सिडी" और "बड़े पैमाने पर दीर्घकालिक मुद्रा हेरफेर" का आरोप लगाया, चीन के इस नवीनतम कदम को उनके प्रशासन द्वारा जारी पूर्व चेतावनियों का उल्लंघन बताया। उन्होंने आगे कहा: "इसलिए, अगर चीन कल, 8 अप्रैल, 2025 तक अपने पहले से ही दीर्घकालिक व्यापार दुरुपयोगों से ऊपर 34% की वृद्धि को वापस नहीं लेता है, तो संयुक्त राज्य अमेरिका 9 अप्रैल से प्रभावी, चीन पर 50% का अतिरिक्त टैरिफ लगाएगा। इसके अतिरिक्त, हमारे साथ उनकी अनुरोधित बैठकों के संबंध में चीन के साथ सभी वार्ताएँ समाप्त कर दी जाएँगी!"

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

चीन से मुकाबले के लिए भारत बना रहा है अपना 'भूमिगत परमाणु पनडुब्बी किला':

चर्चा में क्यों है?

- भारत आंध्र प्रदेश के समुद्र तट पर, विशाखापत्तनम में पूर्वी नौसेना कमान मुख्यालय से लगभग 50 किमी दक्षिण में, रामबिल्ली गाँव के पास रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डे के कमीशन के करीब पहुँच गया है। इस अड्डे को जो चीज अलग बनाती है, वह सिर्फ इसका स्थान नहीं है। बल्कि वह है जो इसके नीचे स्थित है।

- गोपनीय 'प्रोजेक्ट वर्षा' के हिस्से के रूप में निर्मित, रामबिल्ली फैसिलिटी में भूमिगत सुरंगों का एक नेटवर्क शामिल है, जिसे भारत के परमाणु ऊर्जा चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों (SSBN) के बढ़ते बेड़े को गुप्त रूप से रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

- इसका मतलब यह है कि ये जहाज दुश्मन के उपग्रहों- विशेष रूप से चीन द्वारा संचालित- की नज़रों से बचकर बंगाल की खाड़ी में जा सकते हैं।

रामबिली फैसिलिटी का भारत के स्ट्रैटिजिक परिदृश्य में क्या महत्व है?

- चीन के हैनान द्वीप पर स्थित भारी किलेबंद बेस की तरह ही, रामबिली फैसिलिटीज भी स्टील्थ रहने के बारे में है। इस क्षेत्र में पानी की गहराई पनडुब्बियों को बिना पता लगे प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए एक प्राकृतिक आवरण प्रदान करती है।
- उल्लेखनीय है कि यह स्टील्थ क्षमता भारत की परमाणु निवारक क्षमता की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि लंबी दूरी की, परमाणु-युक्त मिसाइलों से लैस SSBN को लंबी गश्त के दौरान चुपचाप और अदृश्य रूप से काम करना चाहिए।
- भारत की समुद्री परमाणु निवारक क्षमता अभी भी परिपक्व हो रही है। लेकिन रामबिली एक बड़ी छलांग है। भारत के लिए, दुश्मन की नज़रों से अपनी 'दूसरी-हमला करने की क्षमता' को छिपाने की क्षमता सिर्फ़ रणनीतिक नहीं है - यह अस्तित्वगत मुद्दा भी है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

भारतीय नौसेना की परमाणु प्रहार क्षमता बढ़ने वाली है:

- इस बीच, भारतीय नौसेना की परमाणु प्रहार क्षमता के लिए महत्वपूर्ण परमाणु पनडुब्बियों की संख्या में भी वृद्धि होने वाली है।
- क्योंकि बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस भारत की तीसरी परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी 'INS अरिदमन' के 2025 में नौसेना में शामिल होने की उम्मीद है। 7,000 टन के विस्थापन के साथ, यह अपने दो पूर्ववर्तियों- INS अरिहंत और INS अरिघात से बड़ी है और अधिक 'K-4' बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जाने में सक्षम है, जिनकी रेंज 3,500 किलोमीटर है।
- यह अतिरिक्त क्षमता भारत की परमाणु तिकड़ी को और मजबूत करेगी, जो जमीन, हवा और समुद्र से परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता रखती है। और अभी और भी बहुत कुछ होने वाला है।
- उल्लेखनीय है कि ₹90,000 करोड़ की गोपनीय उन्नत प्रौद्योगिकी पोत (ATV) परियोजना के हिस्से के रूप में एक चौथी SSBN पहले से ही निर्माणाधीन है। इस योजना में अंततः 13,500 टन के SSBN का विकास शामिल है, जो वर्तमान 83 मेगावाट के डिजाइन से अधिक उन्नत 190 मेगावाट के दबाव वाले हल्के जल के नाभिकीय रिएक्टरों द्वारा संचालित होंगे।

- भारत पारंपरिक युद्ध के लिए डिज़ाइन की गई छह परमाणु ऊर्जा चालित हमलावर पनडुब्बियों (SSN) के साथ भी आगे बढ़ रहा है। पिछले साल अक्टूबर में, सुरक्षा पर कैबिनेट समिति ने ₹40,000 करोड़ के बजट के साथ पहले दो ऐसे SSN के निर्माण को मंजूरी दी, जिनमें से प्रत्येक का वजन लगभग 9,800 टन है।

कारवार फैसिलिटी: नौसेना का दूसरा पावर सेंटर

- जबकि, रामबिल्ली फैसिलिटी भारत के पूर्वी तट की सुरक्षा करता है, पश्चिमी तट को भी नजरअंदाज नहीं किया जा रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के तहत कारवार फैसिलिटी में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ नए परिचालन, मरम्मत और रसद बुनियादी ढांचे का उद्घाटन किया। ये उन्नयन नौसेना को महत्वपूर्ण रणनीतिक गहराई और लचीलापन प्रदान करते हैं, खासकर पाकिस्तान के संबंध में।
- उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट सीबर्ड के चरण- IIA से कारवार में 32 युद्धपोतों को रखा जा सकेगा। इसके आंतरिक बंदरगाह तैयार है और अपेक्षित ब्रेकवाटर और जेटी के साथ बाहरी बंदरगाह पर काम चल रहा है। कारवार, जो पहले से ही एक दर्जन से अधिक प्रमुख युद्धपोतों का घर है, तेजी से विस्तार कर रहा है।

- इसके चरण- IIB पूरा होने के बाद, 25 किलोमीटर लंबा बेस 50 युद्धपोतों और पनडुब्बियों और 40 सहायक शिल्प को समायोजित करने में सक्षम होगा। इस बेस में दोहरे उपयोग वाला नौसैनिक हवाई स्टेशन, एक पूर्ण विकसित डॉकयार्ड, ढके हुए शुष्क बर्थ तथा जहाजों और विमानों के लिए सम्पूर्ण रसद सहायता शामिल है।

भारत के पूर्व में रणनीतिक दबाव:

- उल्लेखनीय है कि भारत ने यह कदम ऐसे समय उठाया है जब पूर्वी सीमा के करीब चीनी सैन्य गतिविधियों को लेकर चिंता बढ़ गई है। भारत सरकार कथित तौर पर खुफिया जानकारी का अध्ययन कर रही है, जिसमें कहा गया है कि चीन बांग्लादेश को उत्तर-पश्चिमी बांग्लादेश के 'लालमोनिरहट' में हवाई क्षेत्र बनाने में मदद कर सकता है, जो भारत के रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर या "चिकन नेक" से बहुत दूर नहीं है। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के किसी भी प्रस्ताव से भारत के लिए गंभीर सुरक्षा निहितार्थ होंगे क्योंकि पूरा पूर्वोत्तर, सिक्किम और पश्चिम बंगाल असुरक्षित होगा।
- इस क्षेत्र में भारत की सुरक्षा चिंताएं पहले से ही हिंद महासागर में चीन की बढ़ती मौजूदगी और दक्षिण एशिया में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से बढ़ गई हैं। प्रस्तावित लालमोनिरहट हवाई क्षेत्र संतुलन को और बिगाड़ सकता है।

- इस क्षेत्रीय उथल-पुथल को बढ़ाते हुए, पाकिस्तान भी बांग्लादेश के साथ कूटनीतिक जुड़ाव बढ़ा रहा है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार 24 अप्रैल को ढाका का दौरा करेंगे, जबकि विदेश सचिव अमना बलूच 17 अप्रैल को ढाका का दौरा करेंगी। 2012 के बाद से यह पाकिस्तान की ओर से बांग्लादेश का पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा, जिसमें कई समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र का 'मौन शक्ति' बनने की ओर अग्रसर:

- इस परिदृश्य में रामबिल्ली फैसिलिटी का जलावतरण और कारवार का विस्तार केवल सैन्य मील के पत्थर से अधिक हैं - वे एक संदेश हैं।
- तेजी से भीड़भाड़ वाले और विवादित हिंद-प्रशांत क्षेत्र में, भारत एक प्रमुख समुद्री शक्ति के रूप में अपनी जगह मजबूत कर रहा है। परमाणु पनडुब्बियां, छिपे हुए अड्डे, उन्नत रिएक्टर और दोहरे तट वाले नौसैनिक केंद्र - यह सब सिद्धांत और डिजाइन में बदलाव की ओर इशारा करते हैं: मौन शक्ति। और जबकि पनडुब्बियां गहरे समुद्र में गश्त कर रही हैं और सीमाओं के पास हवाई अड्डे बन रहे हैं, एक बात स्पष्ट है - भारत चुपचाप लेकिन दृढ़ता से लंबी लड़ाई के लिए तैयारी कर रहा है।

+918988885050
+918988886060
www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com

MCQ

Q.1. भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार संबंध के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दोनों देशों के मध्य तेजी से बढ़ते व्यापार और वाणिज्यिक संबंध दोनों देशों के बीच बहुआयामी साझेदारी का एक महत्वपूर्ण घटक है।
2. दोनों देशों के मध्य कुल द्विपक्षीय व्यापार (वस्तु एवं सेवा) वर्ष 2000 में 20 अरब डॉलर से बढ़कर 2023 में 190.08 अरब डॉलर हो गया है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans. (c)

Q.2. चर्चा में रहे भारत-अमेरिका 'द्विपक्षीय व्यापार समझौता (BTA)' के माध्यम से 2030 तक दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार को कितना विस्तारित करने का लक्ष्य है?

(a) 300 अरब डॉलर

(b) 500 अरब डॉलर

(c) 800 अरब डॉलर

(d) उपर्युक्त कोई नहीं।

Ans. (b)

Q.3. चर्चा में रहे 'प्रोजेक्ट सीबर्ड' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. यह भारत की सबसे बड़ी नौसैनिक अवसंरचना परियोजना है।
2. इसके तहत भारत के पूर्वी तट पर आंध्र प्रदेश में एक भूमिगत परमाणु पनडुब्बी अड्डे का निर्माण किया जा रहा है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (a)

Q.4. निम्नलिखित परमाणु पनडुब्बियों में से कौन-सी एक परमाणु हमलावर पनडुब्बी (SSN) की श्रेणी में आती है?

(a) INS अरिहंत

(b) INS अरिघात

(c) INS अरिदमन

(d) INS चक्र

Ans. (d)

Q.5. चर्चा में रहे भारत के परमाणु ऊर्जा चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों (SSBN) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत के उन्नत प्रौद्योगिकी पोत परियोजना के हिस्से के रूप में एक चौथी SSBN निर्माणाधीन है।
2. वर्तमान में भारत के पास दो परमाणु ऊर्जा चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी कार्यरत है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans. (c)